पत्रिका

कलाकंद खाने से पहले पढ़ लें यह खबर

थानाधिकारी ने बताया कि कलाकंद बनाने वाली नकल फैक्ट्री में चावल, चीनी, सूजी, मैदा, रिफाइड तेल, मिल्क पाउडर, चासनी नुमा तरल पदार्थ व केमिकल का उपयोग कर नकली कलाकंद बनाते थे।

By: Rajesh
Published: 16 Feb 2021, 09:45 PM IST Jhunjhunu, Jhunjhunu, Rajasthan, India

कलाकंद खाने से पहले पढ़ लें यह खबर

सिंघाना. अगर आप कलाकंद खा रहे हो तो सावधान हो जाएं। यह कलाकंद नकली हो सकता है। ऐसा कलाकंद आपको और आपके परिवार को बीमार कर सकता है। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के सिंघाना के निकट भोदन में मिलावटी कलाकंद बनाने की बड़ी फैक्ट्री पकड़ी है।
थानाधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी व जिला कलक्टर यूडी खान के निर्देश पर शादियों के सीजन को देखते हुए नकली पदार्थों की विशेष निगरानी रखी जा रही थी। मंगलवार सुबह मुखबीर की सूचना मिली कि पुरानी भोदन में पहाड़ी के पास एक भवन में मिलावटी कलाकंद बनाया जा रहा है तथा पूरे जिले में शादियों में नकली कलाकंद की आपूर्ति की जाती है। सूचना पर जिला स्पेशल टीम व सिंघाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी। जिसमें मिलावटी कलाकंद बनाया जा रहा था। मौके से दो जनों को हिरासत में लिया है। सूचना पर खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा मौके पर से साढे सात क्विंटल कलाकंद बरामद किया तथा खाद्य विभाग के प्रभारी महेश कुमार ने कलाकंद के सैम्पल लिए तथा गोदाम को सील किया गया।

अलवर के नाम से बेचते थे कलाकंद
फैक्ट्री में बनने वाला कलाकंद अलवर के नाम से बेचा जाता था। जिससे की लोगों को शक नहीं हो। थानाधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि पहले ये लोग ग्राहक ढूंढते थे कि कौन सी पार्टी सस्ता माल ले सकती है। इसके बाद ये उनसे सम्पर्क करते थे तथा वहां पर अपने कलाकंद की सप्लाई देते थे।

एक किलो के 180 रुपए

थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी 180 रुपए प्रति किलो के भाव से कलाकंद बेचते थे। जबकि मार्केट में असली कलाकंद के भाव करीब 320 रुपए प्रति किलो हैं। यह कलाकंद वे पूरे जिले के मिष्ठान भंडारों पर बेचते थे। शादी के सीजन पर ज्यादा माल बनाते थे।

चावल व केमिकल से बनाते

थानाधिकारी ने बताया कि कलाकंद बनाने वाली नकल फैक्ट्री में चावल, चीनी, सूजी, मैदा, रिफाइड तेल, मिल्क पाउडर, चासनी नुमा तरल पदार्थ व केमिकल का उपयोग कर नकली कलाकंद बनाते थे।

चिकित्सा विभाग ने आंखों पर क्यों बांधी पट्टी??
चिकित्सा विभाग में लम्बे समय से जमे जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण जिले में मिलावट का कारोबार हो रहा है। जब पुलिस को नकली फैक्ट्री का पता चल सकता है तो जिसके पास इसका जिम्मा है उसे पता क्यों नहीं चलता? पिछले वर्ष भी सिंघाना के निकट पचेरी में नकली पनीर बनाने की फैक्ट्री पकड़ी थी। तब भी पुलिस ने कार्रवाई की थी। चिकित्सा विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा। लोगों का कहना है बिना सरकारी विभाग की मिलीभगत के इतनी बड़ी फैक्ट्री कैसे चल सकती है??

सात साल की सजा

नकली कलाकंद पकडे जाने पर सात साल की सजा का प्रावधान है तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम में अलग से सजा का प्रावधान है।
-राजेश यादव, एडवोकेट बुहाना

खराब हो सकता है लीवर
मिलावटी कलाकंद से शरीर को काफी नुकसान होते हैं। जिससे उल्टी-दस्त होना, स्कीन एलर्जी तथा लीवर का खराब होना सहित अन्य नुकसान होते है।
डॉ. रामकला यादव, बीसीएमओ बुहाना

Source: https://www.patrika.com/jhunjhunu-news/nakli-kalakand-in-jhunjhunu-6696397/